दिनांक: 23 सितम्बर 2023

क्लाइमेट एक्शन समिट 2023

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के पर्यावरण अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- *शिखर सम्मेलन के बारे में?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्ययन-03: पर्यावरण*
- *जलवायु महत्वाकांक्षा शिखर सम्मेलन अवलोकन?*

सुर्खियों में क्यों:

- हाल ही में, आयोजित जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन 2023, में संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत, चीन शीर्ष तीन उत्सर्जक देश अनुपस्थित थे।

प्रमुख बिन्दु-

- **वैश्विक उत्सर्जन का महत्व:** चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के मामले में दुनिया के शीर्ष तीन देश हैं, जो सभी उत्सर्जन का लगभग 42% है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में, उनकी प्रतिबद्धताएं और कार्य महत्वपूर्ण हैं।
- **शिखर सम्मेलन का उद्देश्य:** जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस रणनीतियों, योजनाओं और नीतियों वाले नेताओं को उजागर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन (सीएएस) का आयोजन किया गया था। ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने के पेरिस समझौते के लक्ष्य को बनाए रखना इसका मुख्य उद्देश्य है।
- **सीमित भागीदारी:** आयोजन के महत्व के बावजूद, शिखर सम्मेलन में केवल 34 देशों और सात संस्थानों को बोलने का समय दिया गया। विशेष रूप से, अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान, जो भारत के पड़ोसी हैं, के वक्ता उपस्थित थे।
- **भागीदारी के लिए मानदंड:** भागीदारी आवश्यकताओं में 2030 से पहले की अवधि के लिए अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी), शुद्ध-शून्य लक्ष्य, नवीकरणीय ऊर्जा पर स्विच करने की योजना, जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की रणनीतियां, नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य, हरित जलवायु कोष के प्रति प्रतिबद्धताएं और योजनाएं शामिल हैं। अनुकूलन और लचीलेपन के लिए शिखर सम्मेलन में बोलने के अवसर चाहने वाले देशों को भी अपने एनडीसी प्रस्तुत करने थे। इससे भागीदारी की उच्च सीमा का संकेत मिलता है।
- **भविष्य की प्रतिबद्धताएं:** शिखर सम्मेलन ने जी-20 देशों सहित सभी प्रमुख उत्सर्जकों से और अधिक कठिन एनडीसी प्रतिबद्धताएँ बनाने का आग्रह किया जिसमें पूर्ण उत्सर्जन में कटौती और 2025 तक सभी ग्रीनहाउस गैसों को शामिल करना शामिल है।
- **भारत की जलवायु प्रतिबद्धताएँ:** 2022 में, भारत ने अपनी जलवायु प्रतिज्ञाओं को अद्यतन किया, जिसका लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत तक कम करना है। सरकार अपनी 50% बिजली गैर-जीवाश्म, नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने और कार्बन पृथक्करण को वनीकरण पहल के माध्यम से.बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

जलवायु शिखर सम्मेलन अवलोकन:

- इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के हालिया वैज्ञानिक मूल्यांकन के जवाब में, 20 सितंबर, 2023 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित क्लाइमेट एम्बिशन शिखर सम्मेलन में जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को संबोधित करने की मांग की गई।

जलवायु कार्रवाई की तात्कालिकता:

- आईपीसीसी का नवीनतम आकलन तत्काल, पर्याप्त ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- महत्वपूर्ण क्षति के बावजूद, उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर पर बना हुआ है।
- ग्लोबल वार्मिंग को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

जलवायु न्याय और समानता:

- यह स्वीकार करना कि संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार लोग इसके सबसे गंभीर प्रभावों का सामना करते हैं।
- कमजोर समुदायों के लिए सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से तत्काल समर्थन का आह्वान।

बहुक्षेत्रीय भागीदारी:

- शिखर सम्मेलन का उद्देश्य सरकारों, व्यवसायों, वित्तीय संस्थानों, स्थानीय अधिकारियों और नागरिक समाज को एकजुट करके जलवायु कार्रवाई में तेजी लाना है।
- नवीकरणीय-ऊर्जा-आधारित, जलवायु-लचीला वैश्विक अर्थव्यवस्था में संक्रमण के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयास की आवश्यकता को मान्यता दी।

तीन ट्रैक:

महत्वाकांक्षा ट्रैक:

- सरकारी नेताओं, विशेष रूप से प्रमुख उत्सर्जकों को 2030 से पहले अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) और शुद्ध-शून्य लक्ष्य पेश करने की उम्मीद है।
- जीवाश्म ईंधन चरण-आउट योजनाओं और महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों के साथ नई कोयला, तेल और गैस परियोजनाओं को छोड़कर ऊर्जा संक्रमण योजनाओं के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- ग्रीन क्लाइमेट फंड प्रतिज्ञाओं और अनुकूलन / लचीलापन योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करें।
- सभी मुख्य उत्सर्जकों और जी 20 सरकारों से 2025 तक पूर्ण उत्सर्जन कटौती के साथ अधिक महत्वाकांक्षी अर्थव्यवस्था-व्यापी एनडीसी के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया।

विश्वसनीयता ट्रैक:

- व्यापार, शहर, क्षेत्र और वित्तीय नेताओं को संयुक्त राष्ट्र समर्थित विश्वसनीयता मानक ("अखंडता मामले" रिपोर्ट) के साथ संक्रमण योजनाओं को संरेखित करने का काम सौंपा गया है।
- मानक में 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य, विशिष्ट आवश्यकताओं (2025 और 2030 के लक्ष्य, स्कोप 3 उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधन चरण-आउट, ऑफसेट के बिना वास्तविक उत्सर्जन में कमी, और विज्ञान-आधारित जलवायु कार्रवाई वकालत) के साथ पूरी तरह से संरेखित शुद्ध-शून्य प्रतिज्ञाएं शामिल हैं।

कार्यान्वयन ट्रैक:

- उच्च उत्सर्जक क्षेत्रों (जैसे, ऊर्जा, शिपिंग, विमानन, इस्पात, सीमेंट) को डीकार्बोनाइज करने के लिए मौजूदा/उभरते कार्यान्वयन साझेदारी को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के नेता।
- जलवायु न्याय (अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली सुधार, अनुकूलन और हानि और क्षति के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली) को संबोधित करने वाली साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करें।

स्रोत:https://www.thehindu.com/sci-tech/energy-and-environment/india-us-china-absent-at-uns-climate-summit/article67329914.ece

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ग्रीनहाउस गैसों (GHG) के शीर्ष तीन उत्सर्जक हैं

2. भारत प्रति व्यक्ति आय के मामले में तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

प्रश्न-2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत 2030 तक 2005 के स्तर की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता को 70% तक कम करने का लक्ष्य रख रहा है
2. भारत 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जक बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलनों के महत्व पर चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

स्टैच्यू ऑफ वननेस

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "स्टैच्यू ऑफ वननेस" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "कला और संस्कृति" खंड में प्रासंगिक है।

प्रीलिम्स के लिए:

- *स्टैच्यू ऑफ वननेस क्या है?*
- *आदि गुरु शंकराचार्य और उनके कार्य?*
- *अद्वैत वेदांत दर्शन*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्ययन-01: कला और संस्कृति*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खंडवा जिले के मांधाता द्वीप पर आदि गुरु शंकराचार्य की एक स्मारक प्रतिमा का अनावरण किया।

स्टैच्यू ऑफ वननेस के बारे में

- "एकात्मता की मूर्ति" (स्टैच्यू ऑफ वननेस) नामक यह विशाल प्रतिमा 108 फीट की है।
- यह आठवीं शताब्दी के भारतीय धर्मशास्त्री और दार्शनिक को शानदार ढंग से चित्रित करता है, जिन्होंने अद्वैत वेदांत विचारधारा की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है

- यह समारोह अपने उद्घाटन चरण की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है। सरकार प्रसिद्ध महाकाल ट्रेक कॉरिडोर की तर्ज पर इस स्थल के विकास की कल्पना करती है, जिसका उद्देश्य इसे एक प्रमुख और श्रद्धेय गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

आदि शंकराचार्य: अद्वैत वेदांत दार्शनिक

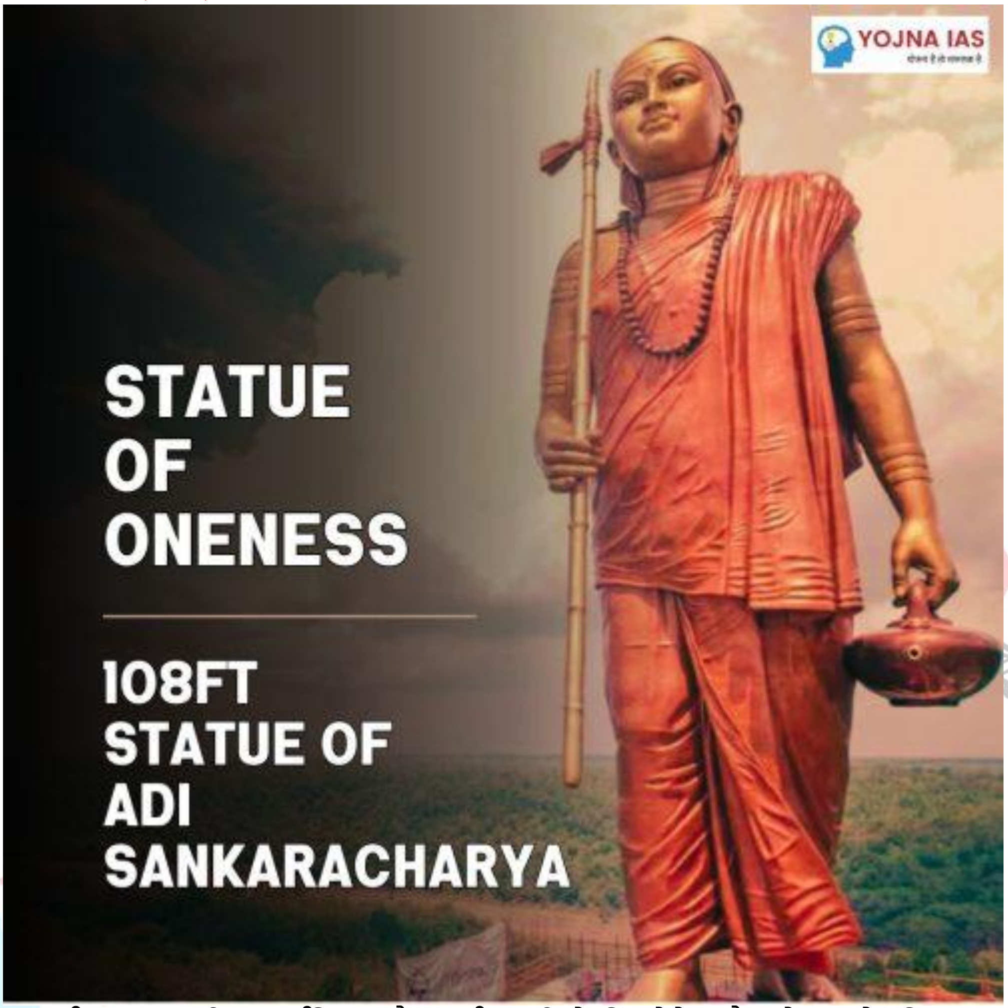

- आदि शंकराचार्य एक भारतीय दार्शनिक और धर्मशास्त्री थे जिन्होंने अद्वैत वेदांत के सिद्धांत की व्याख्या की। उन्होंने बहुत कम उम्र में सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया था।
- शंकराचार्य ने प्राचीन 'अद्वैत वेदांत' की विचारधाराओं को समाहित किया और उपनिषदों के मूल विचारों को भी समझाया।
- शंकराचार्य के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक छह उप-संप्रदायों को संश्लेषित करने का उनका प्रयास है, जिन्हें 'शनमाता' के नाम से जाना जाता है। जो छह सर्वोच्च देवताओं की पूजा करते हैं। शंकराचार्य ने एक सर्वोच्च व्यक्ति (ब्राह्मण) के अस्तित्व की व्याख्या की और कहा कि छह सर्वोच्च देवता एक दिव्य शक्ति का हिस्सा हैं।
- उन्होंने 'दशनामी संप्रदाय' की भी स्थापना की, जो एक मठवासी जीवन जीने की बात करता है।
- शंकराचार्य ने चार मठों (मठों) की स्थापना की जो उनकी शिक्षाओं का प्रसार आज भी जारीरखे हुए हैं।

चार शिष्य

- शंकराचार्य के चार मुख्य शिष्य पद्मपद, तोतकाचार्य, हस्त मलका और सुरेश्वर थे।
- उन्होंने मठों (मठों) की स्थापना की और केरल के त्रिशूर में उनकी शिक्षाओं को आगे बढ़ाया।

अद्वैत वेदांत

- अद्वैत वेदांत हिंदू दर्शन का एक स्कूल है जो अपने **कट्टरपंथी गैरद्वैतवाद के लिए जाना जाता है** । इसका मतलब यह है कि अद्वैतवादी मानते हैं कि **केवल एक ही अंतिम वास्तविकता है , ब्रह्म, और बाकी सब कुछ एक भ्रम है।**

yojnaias.com

- उपनिषद ऐतिहासिक हिंदू ग्रंथ हैं जिन्हें अद्वैत वेदांत की आधारशिला माना जाता है। उपनिषद घोषणा करते हैं कि ब्रह्म सर्वोच्च वास्तविकता है और आत्मा, या व्यक्तिगत, ब्रह्म के समान है।
- अद्वैतवादियों के अनुसार आत्मा विशुद्ध रूप से अचेतन चेतना है। यह किसी भी भावना, विचार या शारीरिक संवेदना से बाधित नहीं है। वास्तव में यह सिर्फ जागरूकता है।
- अद्वैत वेदांत का मूल जोर लोगों को ब्रह्म के रूप में उनकी वास्तविक पहचान का एहसास करने में मदद करना है। यह विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से किया जाता है, जैसे ध्यान और पूछताछ।

कार्य-

ब्रह्मसूत्रभाष्य	• 'ब्रह्मसूत्र' पर प्रसिद्ध टिप्पणी। • 'ब्रह्मसूत्र' पर सबसे पुरानी जीवित टिप्पणी
भगवद गीता पर टीकाएँ	• भगवद गीता पर टिप्पणियां, एक आवश्यक हिंदू ग्रंथ।
दस प्रमुख उपनिषदों पर टीकाएँ	• दस प्रमुख उपनिषदों पर टीकाएँ, वेदांत दर्शन में महत्वपूर्ण ग्रंथ
'उपदेशसहस्री'	• दार्शनिक कार्य को 'एक हजार शिक्षाओं' के रूप में जाना जाता है। • अपने काम के शरीर में बहुत महत्व रखता है।

आदि शंकराचार्य ने भारत में चार प्रमुख बिंदुओं पर चार मठों की स्थापना की।

मठ (मठ)	**स्थान**	**गठन का आधार**
श्रृंगेरी शारदा पीठ	श्रृंगेरी, कर्नाटक	यजुर्वेद
द्वारका पीठ	द्वारका, गुजरात	साम वेद
ज्योतिर्मठ पीठ	गढ़वाल, उत्तराखंड	अथर्ववेद
गोवर्धन मठ	पुरी, ओडिशा	ऋग्वेद

स्रोत:- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ओंकारेश्वर में 108 फीट ऊंची आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का अनावरण किया

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. स्टैच्यू ऑफ वननेस के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह हाल ही में उत्तराखंड में अनावरण की गई आदि गुरु शंकराचार्य की एक स्मारक प्रतिमा है।
2. अद्वैत वेदांत हिंदू दर्शन का एक स्कूल है जो अपने कट्टरपंथी द्वैतवाद के लिए जाना जाता है।
3. शंकराचार्य के महत्वपूर्ण योगदान में छह उप-संप्रदायों को 'शानमाता' के रूप में जाना जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: (c)

प्रश्न-2. निम्नलिखित पर विचार करें:

मठ (मठ)	**स्थान**
1. श्रृंगेरी शारदा पीठ	कर्नाटक
2. द्वारका पीठ	गुजरात

3. ज्योतिर्मठ पीठ	ओडिशा
4. गोवर्धन मठ	उत्तराखंड

उपर्युक्त जोड़े में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(घ) उपर्युक्त में सभी।
उत्तर: (B)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-
प्रश्न-03. आदि शंकराचार्य द्वारा प्रतिपादित अद्वैत वेदान्त के केन्द्रीय सिद्धांतों और उनके दार्शनिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com